तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 37/2017)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 19 मई, 2017

(www.trai.gov.in)

31 मार्च, 2017 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य बातें

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1170.18**	**24.40**	**1194.58**
मार्च, 2017 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.98	0.054	6.03
मासिक वृद्धि दर	0.51%	0.22%	0.51%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**672.42**	**20.56**	**692.97**
मार्च, 2017 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	0.78	0.03	0.82
मासिक वृद्धि दर	0.12%	0.17%	0.12%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**497.76**	**3.85**	**501.61**
मार्च, 2017 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	5.19	0.02	5.21
मासिक वृद्धि दर	1.05%	0.52%	1.05%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**91.08**	**1.90**	**92.98**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	166.71	5.10	171.80
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	56.47	0.44	56.91
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	57.46%	84.24%	58.01%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	42.54%	15.76%	41.99%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**258.28**	**18.24**	**276.52**

- मार्च, 2017 के माह में 6.03 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से, फरवरी, 2017 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 266.73 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 272.76 मिलियन हो गया।

- मार्च, 2017 के अंत तक सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 1,016.38 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक के कार्यालय तथा भारतीय जनगणना आयुक्त द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2017 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,188.55 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 1,194.58 हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 0.51 प्रतिशत रही। फरवरी, 2017 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 692.15 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 692.97 मिलियन हो गई तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या 496.39 मिलियन से बढ़कर 501.61 मिलियन हो गई। मार्च, 2017 के माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.12 प्रतिशत तथा 1.05 प्रतिशत रही।

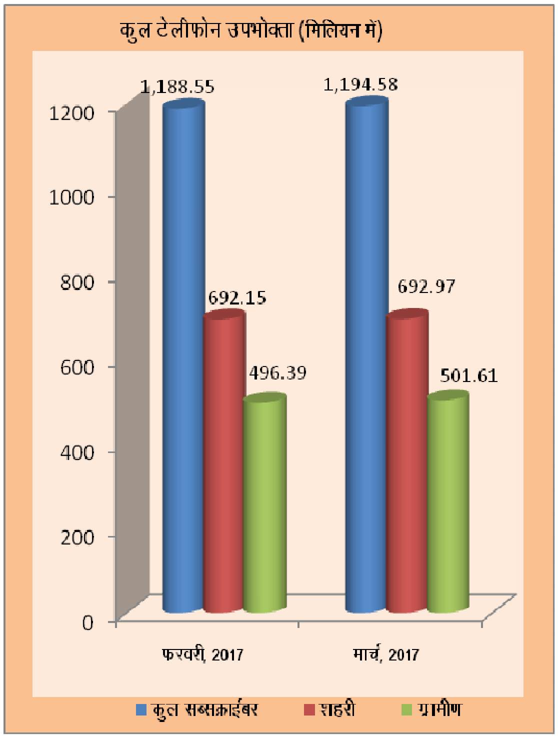

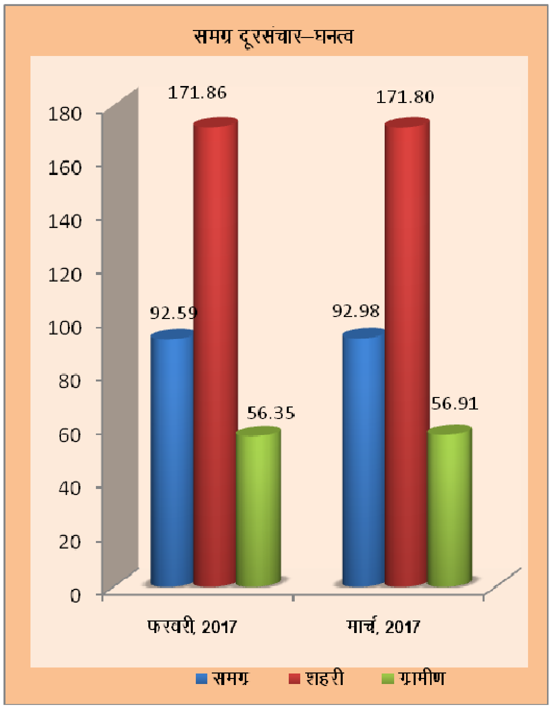

- फरवरी, 2017 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 92.59 से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 92.98 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2017 के अंत तक 171.86 से मामूली घटकर मार्च, 2017 के अंत तक 171.80 हो गया जबकि ग्रामीण दूरसंचार घनत्व फरवरी, 2017 के अंत तक 56.35 से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 56.91 हो गया। मार्च, 2017 के अंत तक शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 58.01 प्रतिशत तथा 41.99 प्रतिशत थी।

दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

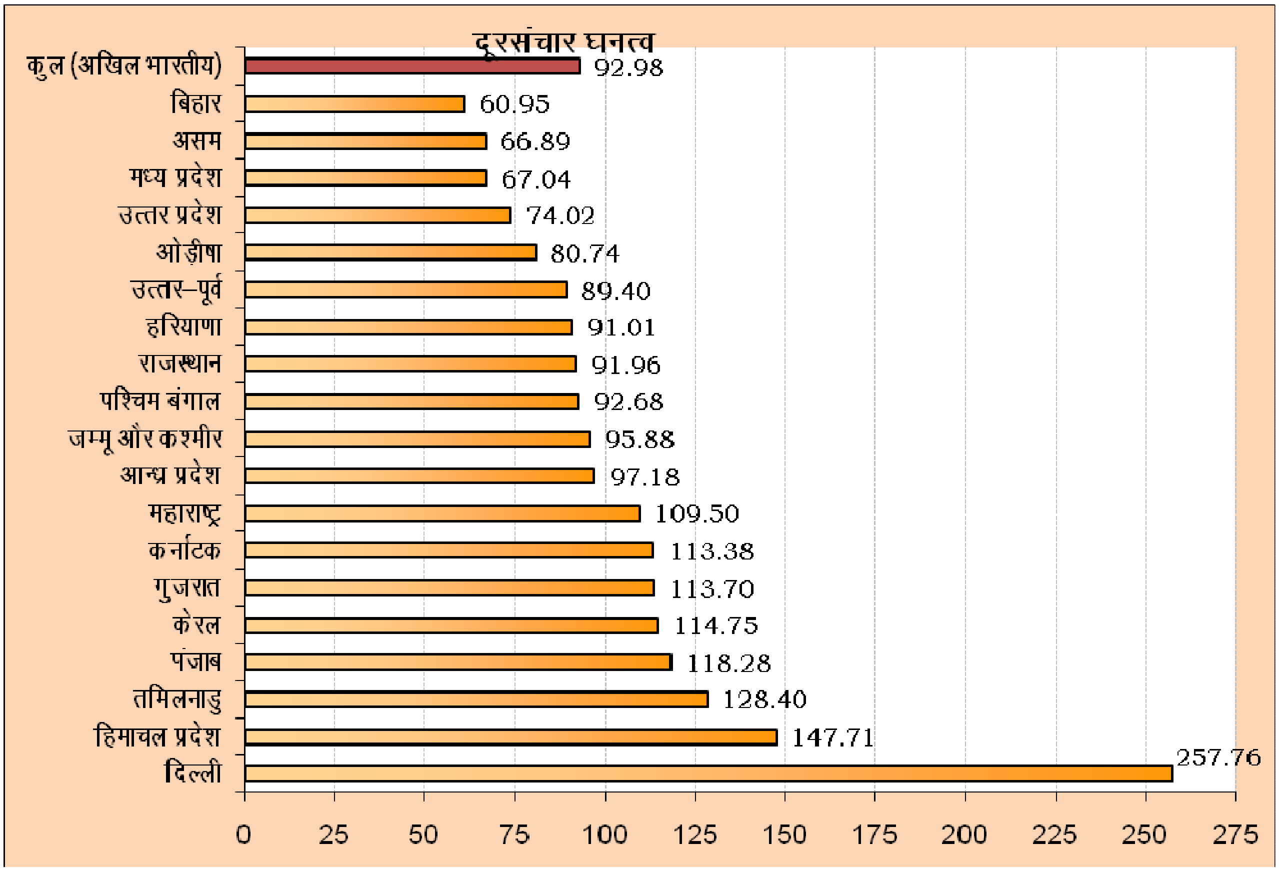

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑघ्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मनिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

मार्च, 2017 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मार्च, 2017 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	66,514	2,221,327	9,666,033	409,064,761
श्रेणी – ख	-16,100	1,531,834	6,443,423	466,384,752
श्रेणी – ग	2,535	2,052,652	1,167,195	175,478,739
महानगर	965	172,274	7,123,976	119,250,053
अखिल भारतीय	**53,914**	**5,978,087**	**24,400,627**	**1,170,178,305**

मार्च, 2017 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (फरवरी, 2017 से मार्च, 2017 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (मार्च, 2016 से मार्च, 2017 तक)	
	वायरलाइन	वायरलैस	वायरलाइन	वायरलैस
श्रेणी – क	0.69	0.55	-3.61	12.48
श्रेणी – ख	-0.25	0.33	-5.96	12.61
श्रेणी – ग	0.22	1.18	-4.78	15.67
महानगर	0.01	0.14	0.07	14.59
अखिल भारतीय	**0.22**	**0.51**	**-3.27**	**13.21**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि मार्च, 2017 के दौरान वायरलैस क्षेत्र में, श्रेणी 'क' के सेवा क्षेत्रों में निबल उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि हुई है। हालांकि इसी दौरान श्रेणी 'ग' के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में, मार्च, 2017 के दौरान श्रेणी 'क' सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक निबल वृद्धि तथा सर्वाधिक मासिक वृद्धि दर दर्ज की गई है। हालांकि इसी दौरान श्रेणी श्रेणी 'ख' सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता

- फरवरी, 2017 के अंत तक कुल वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,164.20 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 1,170.18 मिलियन हो गई तथा मासिक वृद्धि दर 0.51 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2017 के अंत तक 671.63 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 672.42 मिलियन हो गई तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या 492.57 मिलियन से बढ़कर 497.76 मिलियन हो गई। शहरी और ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर क्रमशः 0.12 प्रतिशत तथा 1.05 प्रतिशत रही।

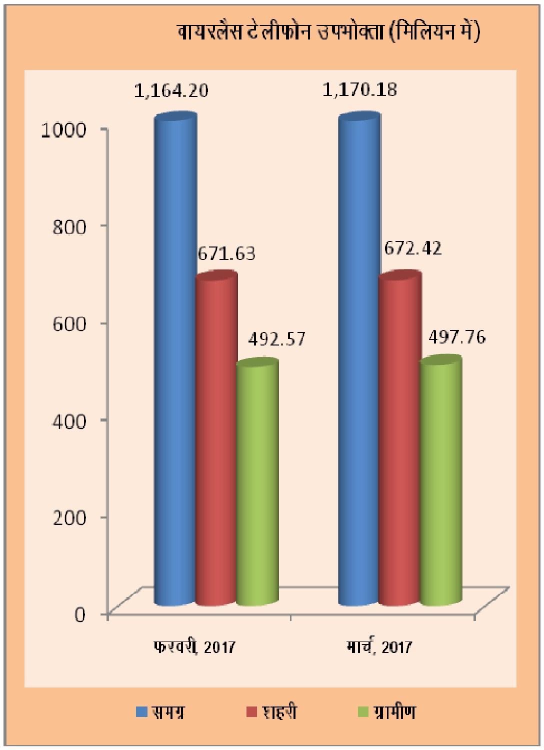

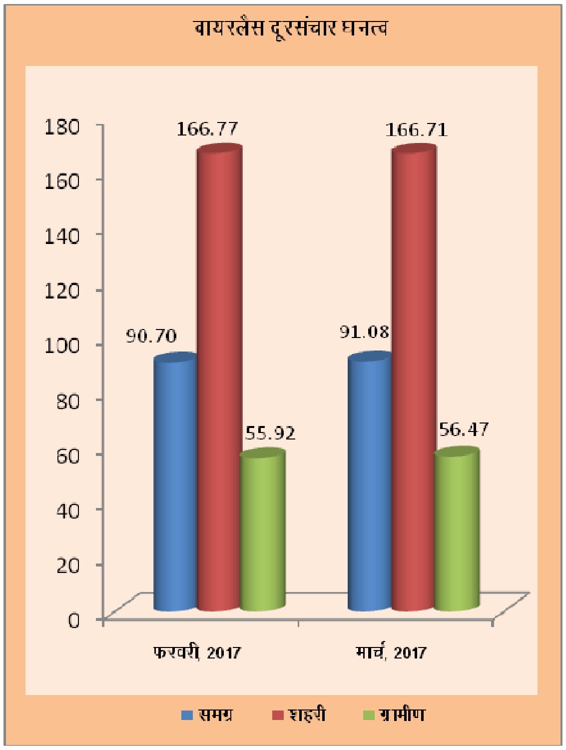

- फरवरी, 2017 के अंत तक वायरलैस दूरसंचार घनत्व 90.70 से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 91.08 हो गया। शहरी क्षेत्रों में मार्च, 2017 के अंत में वायरलैस दूरसंचार घनत्व 166.77 से मामूली घटकर 166.71 हो गया जबकि ग्रामीण वायरलैस दूरसंचार घनत्व 55.92 से बढ़कर 56.47 हो गया। मार्च, 2017 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलैस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 57.46 प्रतिशत तथा 42.54 प्रतिशत थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार, निजी टेलिफोन सेवा प्रदाताओं के पास वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या का 91.06 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 8.94 प्रतिशत बाजार की हिस्सेदारी थी। वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

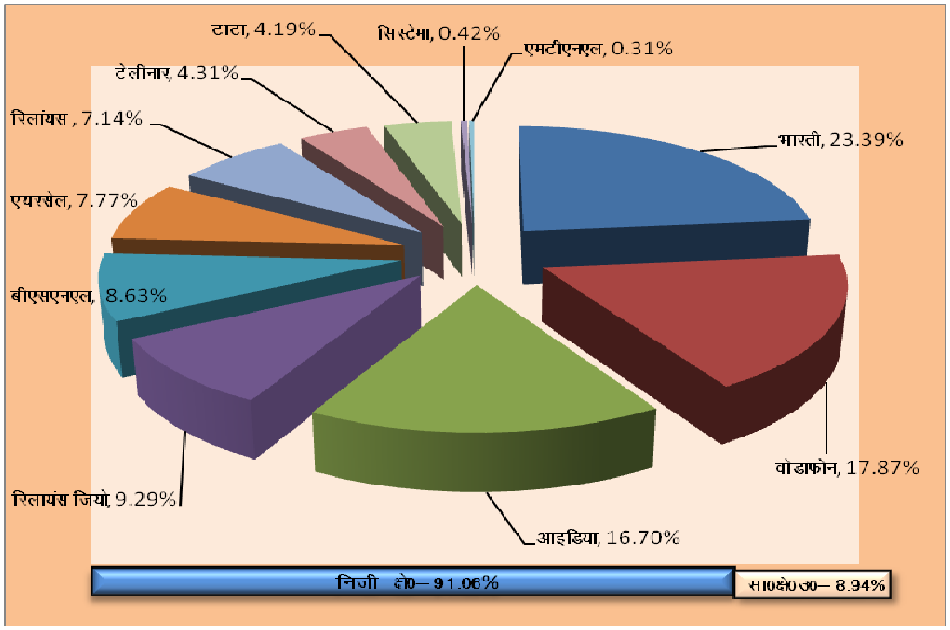

मार्च, 2017 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

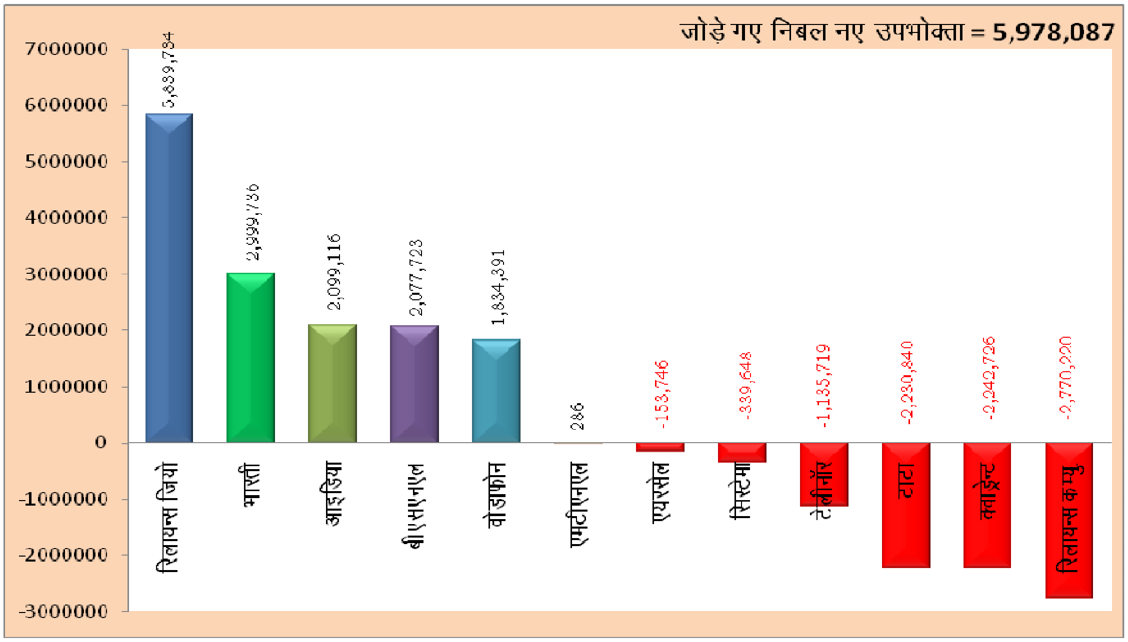

IV. सक्रिय वायरलैस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- मार्च, 2017 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,170.18 मिलियन) में से 1,016.38 मिलियन वायरलैस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 86.86 प्रतिशत था।

- मार्च, 2017 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलैस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक–II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति **अनुलग्नक– IV** में उपलब्ध है।

मार्च, 2017 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

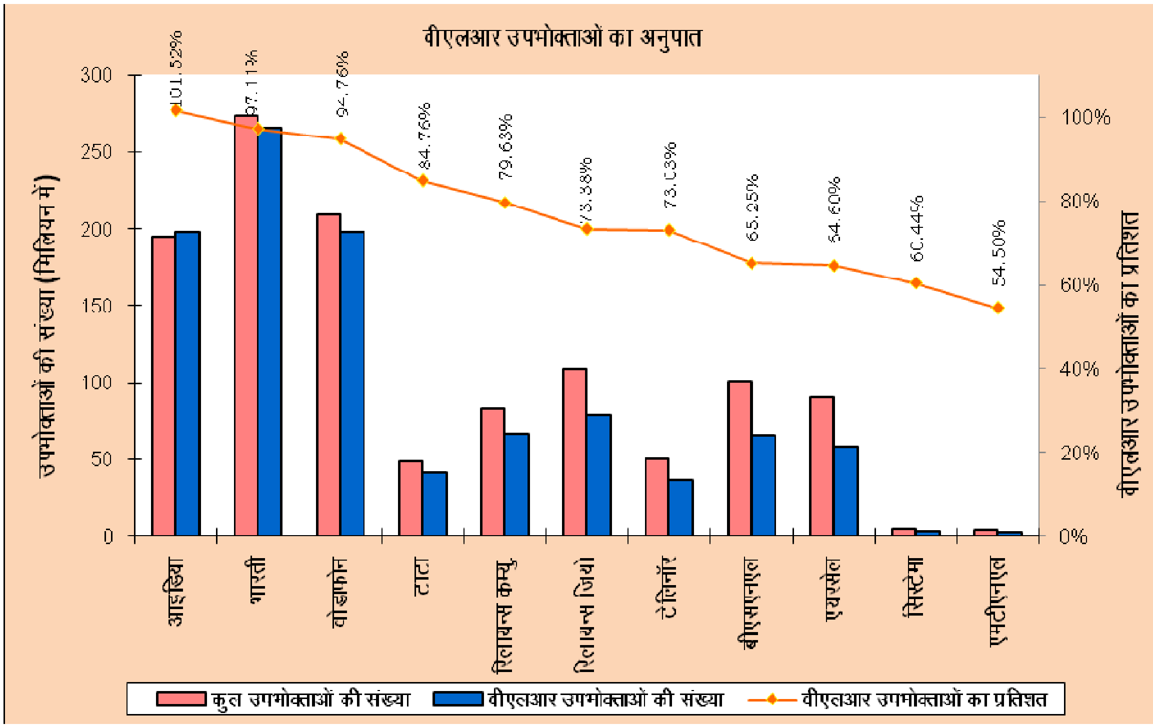

नोट : आइडिया सेल्युलर के नेटवर्क पर इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण उनके वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में अधिक रही।

मार्च, 2017 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

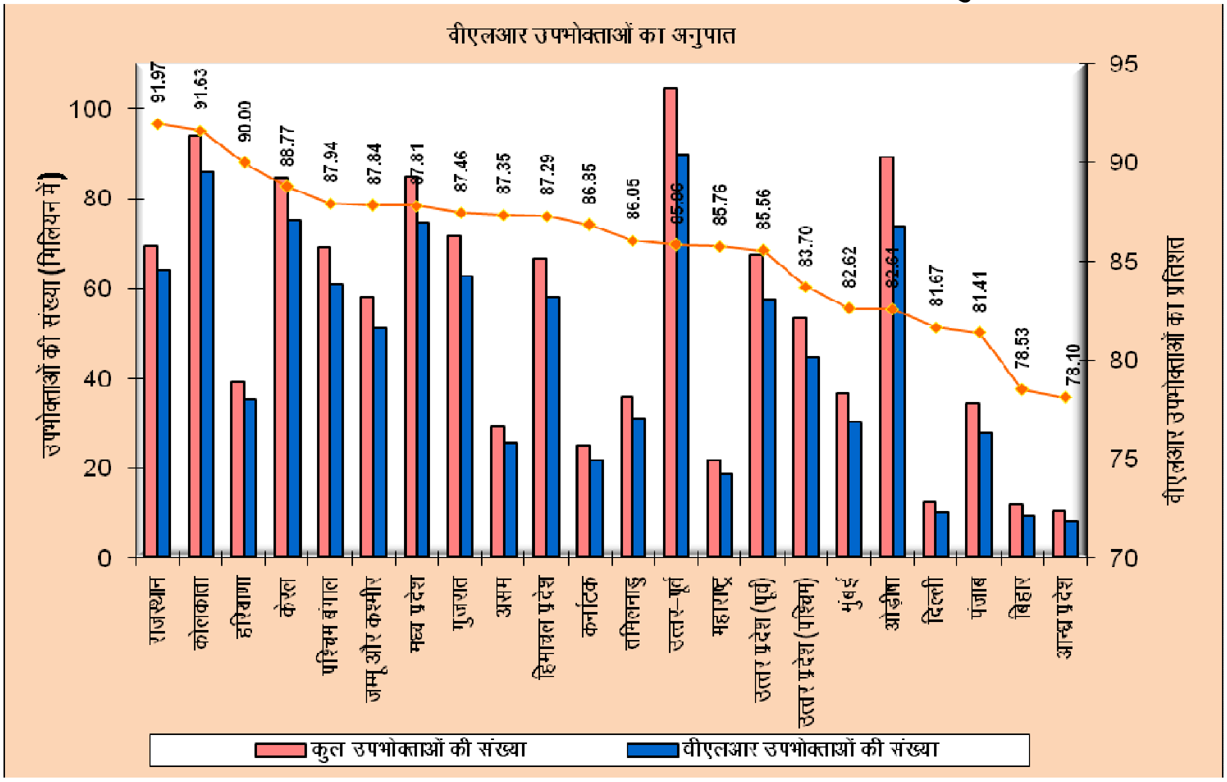

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

मार्च, 2017 माह के दौरान एक्सेस सेवा–प्रदातावार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

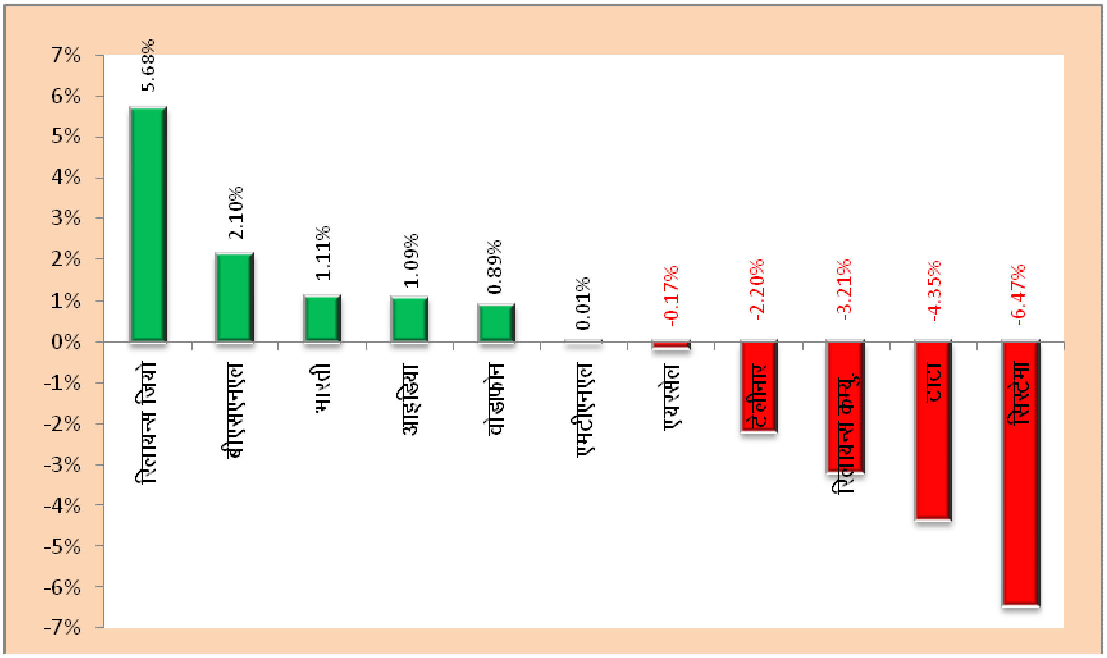

मार्च, 2017 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलैस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

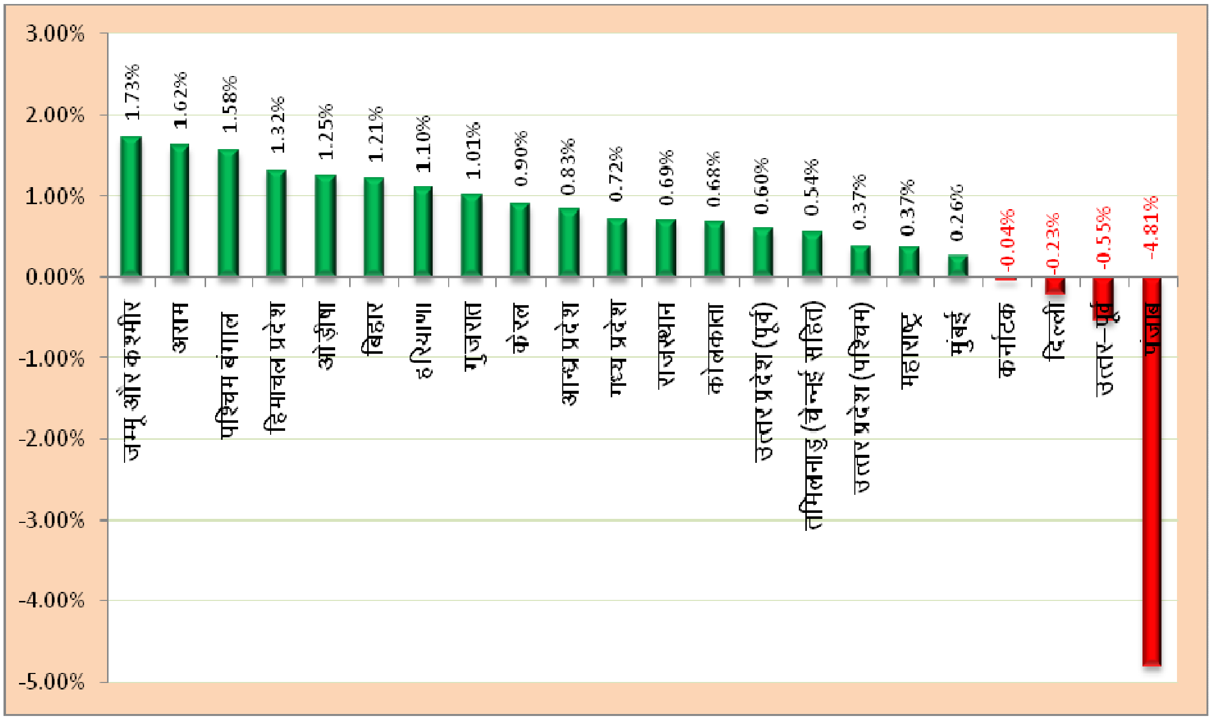

- मार्च, 2017 के माह के दौरान जम्मू और कश्मीर सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि इस दौरान पंजाब सेवा क्षेत्र में वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या में सर्वाधिक ह्रास दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- मार्च, 2017 के माह में कुल 6.03 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथी से, संचयी एमएनपी अनुरोध फरवरी, 2017 के अंत तक 266.73 मिलियन की तुलना में बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 272.76 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 23.00 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद गुजरात में (लगभग 19.54 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

- एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 29.91 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 24.64 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

मार्च, 2017 के अंत तक सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध			
जोन–I		जोन–II	
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या
दिल्ली	11868355	आन्ध्र प्रदेश	24637338
गुजरात	19544609	असम	1402066
हरियाणा	10901899	बिहार	10119830
हिमाचल प्रदेश	986477	कर्नाटक	29905923
जम्मू और कश्मीर	124495	केरल	7503764
महाराष्ट्र	18603137	कोलकाता	5699278
मुंबई	15097619	मध्य प्रदेश	18837928
पंजाब	10695088	उत्तर–पूर्व	530265
राजस्थान	23002490	ओड़ीशा	5421547
उत्तर प्रदेश–पूर्व	13680929	तमिलनाडु	16715524
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	12291989	पश्चिम बंगाल	15192337
कुल	**136,797,087**	कुल	**135,965,800**
कुल (जोन–I + जोन–II)			**272,762,887**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (मार्च, 2017 माह में)			6,030,774

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या फरवरी, 2017 के अंत तक 24.35 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत तक 24.40 मिलियन हो गया। मार्च, 2017 माह में 0.22 प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.05 मिलियन की निवल वृद्धि हुई। मार्च, 2017 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 84.24 प्रतिशत तथा 15.76 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व मार्च, 2017 के अंत में 1.90 अर्थात फरवरी, 2017 के जैसा ही रहा। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 5.10 तथा 0.44 रहा।

- दो सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 70.29 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े **अनुलग्नक–III** में उपलब्ध हैं।

- मार्च, 2017 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

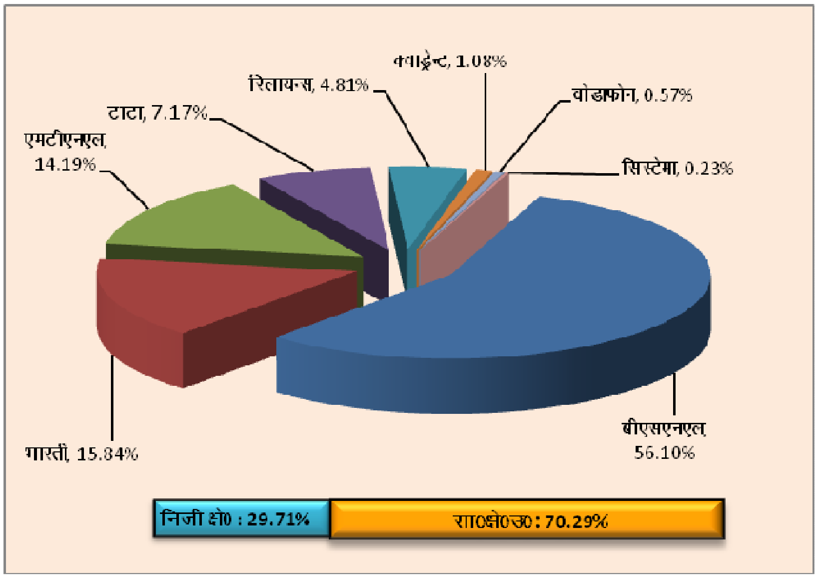

मार्च, 2017 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

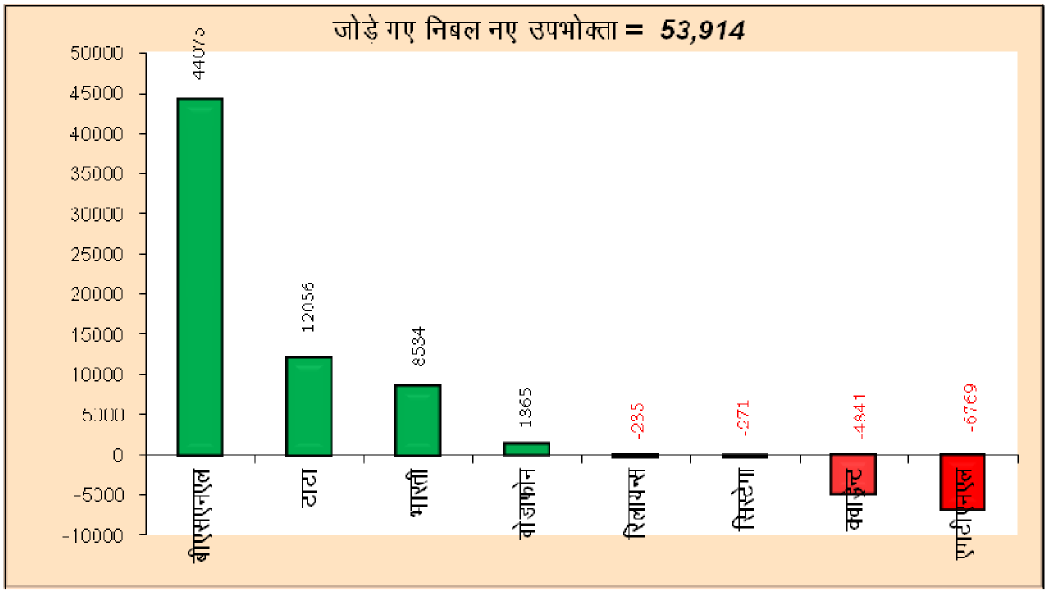

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फरवरी, 2017 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 261.31 मिलियन से बढ़कर मार्च, 2017 के अंत में 276.52 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 5.82 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

मार्च, 2017 माह में ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		मार्च, 2017 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 28 फरवरी, 2017 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन उपभोक्ताओं की संख्या	18.18	18.24	0.37%
मोबाइल उपकरण उपयोगकर्ता (फोन तथा डॉन्गल)	242.57	257.71	6.24%
फिक्सड वायरलैस उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.57	0.56	-1.83%
कुल	**261.31**	**276.52**	**5.82%**

- मार्च, 2017 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 87.48 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (108.68 मिलियन), भारती एयरटेल (49.13 मिलियन), वोडाफोन (37.72 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (24.70 मिलियन) तथा बीएसएनएल (21.67 मिलियन) थे।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन आगे किया गया है:

दिनांक 31.03.2017 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

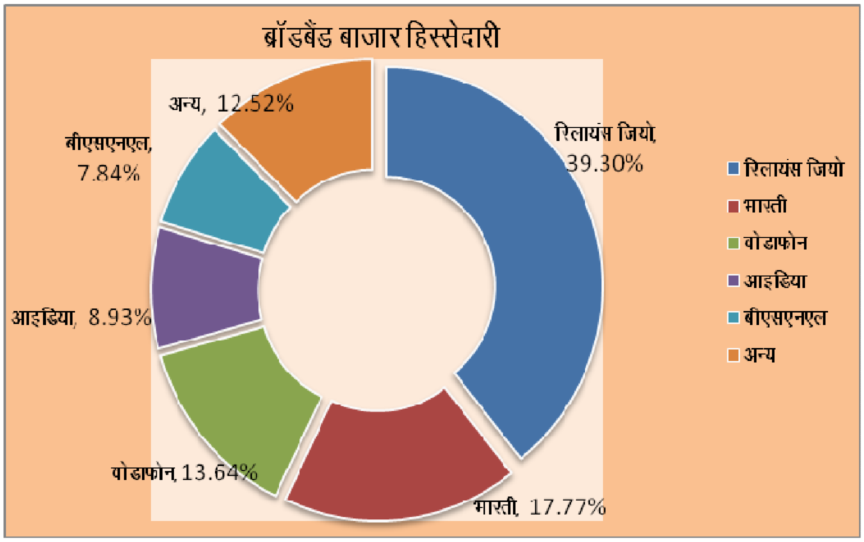

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (9.98 मिलियन), भारती एयरटेल (2.08 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.17 मिलियन), एमटीएनएल (1.01 मिलियन) तथा यू–ब्रॉडबैंड इंडिया प्रा0 लि0 (0.62 मिलियन) थे।

- दिनांक 31 मार्च, 2017 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलैस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (108.68 मिलियन), भारती एयरटेल (47.07 मिलियन), वोडाफोन (37.71 मिलियन), आइडिया सेल्युलर (24.70 मिलियन) तथा रिलायंस कम्यूनिकेशन्स (14.01 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री कौशल किशोर, सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110 002
फोन–011–2323 0752
फैक्स–011–2323 6650
ई–मेलः advfea1@trai.gov.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(कौशल किशोर)
सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह											
	भारती		रिलायन्स		वोडाफोन		टाटा		आइडिया		एयरसेल	
	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017
आन्ध्र प्रदेश	25350900	25867782	3757610	3602108	6920655	6946782	3867812	3734568	17496332	17580618	2593866	2614825
असम	6379734	6444077	1145762	1126540	3956464	4024913			1330851	1349496	5807277	5825332
बिहार	30487219	30973054	3256542	3189799	9603217	9734549	1425158	1336946	12354378	12668538	7554303	7558894
दिल्ली	11590370	11614979	5999188	5620041	10642941	10761078	1591722	1437392	6465245	6482774	6830343	6879107
गुजरात	9045978	9185830	5778199	5442298	19923817	20047643	2551441	2472803	13014605	13163074	17063	17063
हरियाणा	3430338	3509696	1510376	1478879	6004148	6044807	2532130	2407873	5046351	5124252	3092	3092
हिमाचल प्रदेश	2945760	2976955	1587728	1539244	725787	726409	48143	44758	805297	812687	1121747	1122264
जम्मू और कश्मीर	3560866	3624527	863666	872711	980545	994663			679116	694436	2947876	2992224
कर्नाटक	22205227	22235613	5329344	5179073	7848321	7794458	6589124	6238582	9575818	9560816	3393786	3441843
केरल	4543147	4552674	1418997	1359520	7673321	7673404	1329905	1278265	10972529	11011621	379835	370538
कोलकाता	4967599	5026679	4194693	4086852	5656444	5722074	2529159	2446200	2595876	2642321	4390545	4411882
मध्य प्रदेश	13895358	13991614	9529830	9217734	6788067	6814499	4296583	4194493	23797344	24031263	20694	20694
महाराष्ट्र	14382498	14417511	4160891	3925525	19102263	19339105	5455944	5198002	26104199	26479754	2774738	2687942
मुंबई	6382756	6455214	4877394	4802481	9012152	9034825	2750048	2654934	4432118	4375655	2923667	2899449
उत्तर–पूर्व	4167907	4236796	273230	258238	1586453	1617039			623779	638078	3434000	3280364
ओड़ीशा	11307773	11501033	2188067	2131457	4466564	4533783	1906541	1814479	2039436	2076079	4605849	4630846
पंजाब	8761053	8910989	1671225	1680520	5450023	5457177	2392372	2279401	6982188	7062015	1149015	1134365
राजस्थान	20856003	21064107	5875858	5619973	12156346	12302399	1165209	1065070	8286342	8389292	6666458	6680710
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	18289999	18383677	5456614	5372873	16305205	16277638	3997716	3899979	6171105	6165269	21426525	21362720
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	23240766	23494355	8375127	8108789	20221740	20582425	3449030	3274124	11996510	12305494	7040268	6940970
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	8927008	8955315	5492685	5448718	12410968	12377044	2996345	2878138	16189835	16387742	860287	871275
पश्चिम बंगाल	15930388	16225906	3528917	3438350	19793034	20256152	351011	338546	6310477	6367573	5112380	5153469
कुल	**270648647**	**273648383**	**86271943**	**83501723**	**207228475**	**209062866**	**51225393**	**48994553**	**193269731**	**195368847**	**91053614**	**90899868**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		2999736		-2770220		1834391		-2230840		2099116		-153746

वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1 (निरंतर)

	सेवा प्रदाता समूह													
सेवा क्षेत्र	बीएसएनएल		एमटीएनएल		टेलीनॉर		सिस्टेमा		क्वाड्रेन्ट		रिलायंस जियो		कुल	
	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017
आन्ध्र प्रदेश	9858720	9919404			5485240	5301805					8908009	9371987	**84239144**	**84939879**
असम	1451738	1507239									1389521	1532190	**21461347**	**21809787**
बिहार	3967381	4003810			9308364	9091905					5594541	6005685	**83551103**	**84563180**
दिल्ली			2327347	2327203			571655	537482			7452729	7690965	**53471540**	**53351021**
गुजरात	4591955	4848908			8434173	8473311	135566	132022			7624803	8055148	**71117600**	**71838100**
हरियाणा	3621256	3715385									2626266	2761991	**24773957**	**25045975**
हिमाचल प्रदेश	2073746	2156152									975527	1041359	**10283735**	**10419828**
जम्मू और कश्मीर	1480035	1473653									1189709	1251478	**11701813**	**11903692**
कर्नाटक	6880744	7021376					760331	724483			6578004	6939226	**69160699**	**69135470**
केरल	8899336	9106566					240546	234410			3354902	3576308	**38812518**	**39163306**
कोलकाता	915381	956743					400144	376331			3470533	3647897	**29120374**	**29316979**
मध्य प्रदेश	4994116	5169787									5728777	6106473	**69050769**	**69546557**
महाराष्ट्र	6431910	6501731			7951509	7702877					7192705	7646067	**93556657**	**93898514**
मुंबई			1299687	1300117							4808043	5059378	**36485865**	**36582053**
उत्तर–पूर्व	1658883	1592311									815611	868295	**12559863**	**12491121**
ओड़ीशा	4929693	5028046									2424303	2575408	**33868226**	**34291131**
पंजाब	4479009	4541692							2242726	-	4656222	4899284	**37783833**	**35965443**
राजस्थान	5381117	5525198					1398394	1301847			5071640	5370687	**66857367**	**67319283**
तमिलनाडु(चेन्नई सहित)	9030644	9228786					528230	478051			7563296	8083805	**88769334**	**89252798**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	10935952	11168141			12108247	11780109					6566214	6899354	**103933854**	**104553761**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	5601731	5754216			8341335	8143142	101337	96212			5507620	5764355	**66429151**	**66676157**
पश्चिम बंगाल	1728483	1770409					1114716	1030433			3342063	3533432	**57211469**	**58114270**
कुल	**98911830**	**100989553**	**3627034**	**3627320**	**51628868**	**50493149**	**5250919**	**4911271**	**2242726**	**0**	**102841038**	**108680772**	**1164200218**	**1170178305**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		2077723		286		-1135719		-339648		-2242726		5839734		5978087

अनुलग्नक–II

मार्च, 2017 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	एयरसेल	भारती	बीएसएनएल	आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	सिस्टेमा	टाटा	टेलीनॉर	वोडाफोन	कुल
आन्ध्र प्रदेश	57.36	97.54	73.03	101.13		85.04	69.64		92.11	72.79	85.55	**87.81**
असम	81.00	96.73	76.48	98.73		3.69	80.98				99.02	**85.76**
बिहार	81.43	97.15	66.83	101.28		7.82	77.74		77.00	76.64	106.82	**88.77**
दिल्ली	56.95	95.52		102.04	47.40	86.72	70.37	47.63	63.42		97.32	**83.70**
गुजरात	2698.78	95.30	62.50	102.99		91.68	74.66	44.26	72.28	65.20	93.04	**87.46**
हरियाणा	0.39	94.81	54.33	101.21		94.15	74.01		90.43		92.72	**86.85**
हिमाचल प्रदेश	44.03	86.41	62.26	112.50		94.45	68.08		32.54		87.81	**78.10**
जम्मू और कश्मीर	69.46	93.14	67.16	100.94		51.37	72.01				85.76	**78.53**
कर्नाटक	50.53	98.28	63.13	99.12		87.82	75.36	62.25	92.89		93.26	**87.94**
केरल	63.34	96.88	73.96	103.17		92.51	77.69	48.39	91.58		93.65	**90.00**
कोलकाता	61.48	95.84	85.59	93.29		96.99	64.64	68.43	89.98		105.12	**87.35**
मध्य प्रदेश	1.01	98.24	67.74	104.00		89.16	77.18		80.32		79.51	**91.97**
महाराष्ट्र	48.29	103.05	67.84	102.06		90.67	83.42		85.65	71.29	96.03	**91.63**
मुंबई	52.01	95.73		90.87	67.22	87.32	65.43		82.44		88.48	**82.62**
उत्तर–पूर्व	65.23	97.87	70.29	94.61		11.93	77.60				91.97	**81.67**
ओड़ीशा	58.90	98.41	71.06	100.78		4.71	74.42		84.73		102.58	**81.41**
पंजाब	56.27	97.48	63.64	100.75		90.12	70.19		79.19		89.07	**86.05**
राजस्थान	49.15	94.67	61.81	100.51		89.59	75.58	59.83	134.81		91.21	**85.56**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	66.12	95.48	67.44	100.24		91.72	72.71	57.64	73.79		96.42	**82.61**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	66.55	99.13	52.15	103.12		90.67	72.95		82.82	75.70	93.91	**85.86**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	83.01	94.58	53.02	100.09		91.85	68.26	45.49	83.57	75.10	97.35	**87.29**
पश्चिम बंगाल	70.74	97.27	81.55	103.83		7.91	71.55	71.20	64.09		97.82	**87.84**
कुल	**64.60**	**97.11**	**65.25**	**101.52**	**54.50**	**79.63**	**73.38**	**60.44**	**84.76**	**73.03**	**94.76**	**86.86**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों के अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन सब्सक्राईबर आधार

अनुलग्नक–III

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती		रिलायन्स		टाटा		क्वाड्रेन्ट		सिस्टेमा		वोडाफोन		कुल	
	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017	फरवरी, 2017	मार्च, 2017
आन्ध्र प्रदेश	1205999	1216162			160955	161781	75539	75535	171724	172162					12180	12150	1626397	1637790
असम	153679	153165													2190	2280	155869	155445
बिहार	294074	294437					6,367	6,497	12430	12458					1530	1590	314401	314982
दिल्ली			1604299	1601487	1281030	1283061	173205	172804	135039	136136					29100	29190	3222673	3222678
गुजरात	1102310	1110425			76330	76409	72728	72642	88140	88529					7860	8149	1347368	1356154
हरियाणा	281,713	282,293			22936	22967	4014	4014	36564	36462							345227	345736
हिमाचल प्रदेश	142,888	142,809					3924	3924	2580	2554					60	60	149452	149347
जम्मू और कश्मीर	133,716	134,283															133716	134283
कर्नाटक	1209209	1229813			619815	621424	156679	157088	209347	212737					23250	23370	2218300	2244432
केरल	1997027	1999633			58251	58304	32995	32950	18935	19136					1650	1680	2108858	2111703
कोलकाता	614998	613190			120785	120857	69117	69051	49329	50291					5520	5550	859749	858939
मध्य प्रदेश	719580	714319			273050	273061	19688	19658	16310	16330					420	420	1029048	1023788
महाराष्ट्र	1415313	1419352			78479	79319	81883	81744	283721	285516					13815	13934	1873211	1879865
मुंबई			1864844	1860887	356483	357907	257333	257723	539681	543237					22248	22605	3040589	3042359
उत्तर–पूर्व	120970	120802													180	180	121150	120982
ओड़ीषा	277492	279674					3281	3281	8129	8001					1170	1200	290072	292156
पंजाब	591175	586185			119882	119907	20653	20637	16230	16113	267732	262891			1050	1050	1016722	1006783
राजस्थान	600056	599739			48556	48591	19737	19737	11292	11308			56940	56669	2400	2430	738981	738474
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1726181	1737302			553540	554994	133906	133567	109966	111249					10650	10680	2534243	2547792
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	379859	379998			63978	63995	34711	34703	15165	14474					1380	1470	495093	494640
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	355921	355420			23160	23187	7102	7102	9671	9545					1110	1140	396964	396394
पश्चिम बंगाल	322729	319963					2048	2018	3793	3864					60	60	328630	325905
कुल	**13644889**	**13688964**	**3469143**	**3462374**	**3857230**	**3865764**	**1174910**	**1174675**	**1738046**	**1750102**	**267732**	**262891**	**56940**	**56669**	**137823**	**139188**	**24346713**	**24400627**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		44075		-6769		8534		-235		12056		-4841		-271		1365		53914

अनुलग्नक–IV

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	**एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)**
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	**उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)**

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने

फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।